ऐ अल्लाह, जिस प्रकार तूने मेरी शक्ल-सूरत अच्छी बनाई है, उसी प्रकार मेरे अख़लाक़ भी अच्छे बना दे।

अब्दुल्लाह बिन मसऊद (रज़ियल्लाहु अन्हु) से वर्णित है, वह कहते हैं कि अल्लाह के
रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने यह दुआ फ़रमाईः “ऐ अल्लाह, जिस प्रकार तूने मेरी शक्ल-सूरत अच्छी बनाई है, उसी प्रकार मेरे अख़लाक़ भी अच्छे बना दे।”
[सह़ीह़] [इसे अह़मद ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/5491